पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : राम वन गमन, पाठ-14 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
14.	चौपाइयों को सही ढंग से पढ़ना, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, अर्थ बताना।	अर्थ, भाव-बोध, अनुमान, विस्तृत विवरण, चारित्रिक विशेषता।	पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द का मिलान, मुहावरे का प्रयोग, पद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, अतिरिक्त पठन, गायन, चार्ट बनाना, उत्सव मनाना, तुलना।	कष्ट सहन, आज्ञा पालन, श्रद्धा-आदर।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. शुद्ध रूप में आनंदभाव से 'पद्य' का लयबद्ध गान कराना तथा वन-पथ पर जाते समय राम-सीता और लक्ष्मण की मानसिक एवं शारीरिक दशा तथा ग्राम वधुओं के प्रेम, मुग्धता, विस्मय आदि की प्रतिक्रिया से अवगत कराना।
2. पर्याय शब्द तथा विलोम शब्दों का ज्ञान कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि दशरथ कौन थे? उनके कितने पुत्र थे? सबसे बड़े पुत्र कौन थे? राम को वनवास क्यों मिला था? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'राम वन गमन' पाठ-14 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूल पाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'राम वन गमन' पाठ-14 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. किसके कारण सीता जी के माथे पर पसीना आ गया?	उ. अत्यंत थकान के कारण सीता जी के माथे पर पसीना आ गया।
प्र.2. ग्रामवासियों ने रानी को क्या कहा?	उ. ग्रामवासियों ने रानी को अज्ञानी कहा है।
प्र.3. राम ने अपने राज-सी वस्त्र किसकी तरह त्याग दिए?	उ. जैसे तोता अपने पंख त्याग देता है। उसी प्रकार राम ने अपने राज-सी वस्त्र त्याग दिए।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. प्रथम पद से राम के स्वभाव की किन विशेषताओं का बोध होता है?

उ. प्रथम पद से बोध होता है कि श्री राम को किसी भी चीज़ का लालच नहीं है और वे एक आज्ञाकारी पुत्र हैं।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. शब्दों के पर्याय शब्द छाँटकर लिखवाएँगे।
2. प्रत्येक शब्दों के अर्थ बताएँगे। तत्पश्चात विलोम शब्दों का मिलान करवाएँगे।
3. मुहावरे से संबंधित पद्य की पंक्ति लिखवाएँगे।
4. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत पद्यांश को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
5. अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।
6. पद्य में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँगे। तत्पश्चात पद्य का सप्रसंग भावार्थ लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : तुलसीदास से संबंधित विषय पर संवाद करवाएँगे तथा काव्य रचनाओं को लयबद्ध गायन के रूप में सुनाने के लिए कहेंगे।

परियोजना निर्माण : काव्य रचनाओं से संबंधित चित्र बनाकर पद्य लेखन करके चार्ट लगाने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने शुद्ध रूप में आनंदभाव से 'पद्य' का लयबद्ध गान किया तथा वन पथ पर जाते समय राम–सीता और लक्ष्मण की मानसिक एवं शारीरिक दशा तथा ग्राम वधुओं के प्रेम, मुग्धता, विस्मय आदि की प्रतिक्रिया को जाना।

पर्याय तथा विलोम शब्दों का ज्ञान प्राप्त किया।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।